

श्री जैन सत्य प्रकाश

(मासिक पत्र)

विषय-दर्शन

१ श्री पुंडरीक द्वात्रिंशिका	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयपद्मसूरिजी	: ५६१
२ द्विगंथशैली उत्पत्ति	: आचार्य महाराज श्रीमत् सागरानंदसूरिजी	: ५६४
३ प्रभु श्री महावीरनुं तत्त्वज्ञान	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयवल्लभसूरिजी	: ५६७
४ नमुत्युष्णने अंगे	: श्रीयुत प्रो. डीरावाल रसिकदास कापडिया	: ५६९
५ सम्यग्दर्शन	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयपद्मसूरिजी	: ६०३
६ दिग्बर शास्त्र रक्षे बने	: मुनिराज श्री दर्शनविजयजी	: ६०७
७ परमार्थत महाकवि धनपात्र	: मुनिराज श्री सुश्रीलावण्यजी	: ६०९
८ युवराजनी जैनाश्रित कणा	: श्रीयुत साराभाई मण्जिवाल नवाभ	: ६११
९ पुरातन छतिहास अने स्थापत्य		
(१) प्रथीन लेख संग्रह	: मुनिराज श्री जयंतविजयजी	: ६१५
(२) मांडवगढ संबंधी लेख	: श्रीयुत नंदलालजी लोढा	: ६१८
१० मंत्राट अक्षरने धर्म-मत	: मुनिराज श्री ज्ञान वज्रयजी	: ६२१
११ दो ऐतिहासिक रासों का सार	: श्रीयुत अगरचन्दजी नाहटा	: ६२६
वार्षिक विषयदर्शन :		
स-आचार :		

: विज्ञापित :	वार्षिक लवाणमः	: लेखक छे
जे पूज्य मुनिराजने " श्री जैन सत्य प्रकाश " मोडलवामां आवे छे, तेओओ पोताना विहारादिकना कारखे अहलातुं भरनामुं हरेक महिनानी सुदी त्रीण पहैलां अमने लपी जणुववा कृपा करी, जेथी मासिक गेरवह्ने न जतां, वज्रतसर मणी शकै.	स्थानिक १-८-० अहारगामनुं २-०-० छुटक अंक ०-३-०	श्री जैन सत्य प्रकाश' ना प्रथम वर्षना २, ३, ७, ८, अंकानी जडर छे. जेओ ते मोडलशे तेनो साभार स्वीकार करीने अहलामां तेटला अंकै मजरे आपवामां आवेशे.

मुद्रक अने प्रकाशक: श्रीमनलाल गोकणदास शाह, मण्जि मुद्रणालय,
काणपुर, अजुरीनी पोण, अमदावाद.

प्रकाशन स्थान: श्री जैनधर्म सत्यप्रकाशक समिति कार्यालय,
जेशिंगभाईनी वाडी, धीकांटा, अमदावाद.